

समितिके पदाधिकारियों ने बताया कि उत्सव के दौरान भगवान श्री चित्रगुप्त का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और उन्हें 56 भाग अर्पित किए जाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महाअरारी होगी, जिसके पश्चात शाम 6:30 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का वितरण शुरू होगा।

विनाश समाज कल्याण समितिके संयोजक डॉ. पी.के. खरे, सह-संयोजक विष्णु श्रीवास्तव, सचिव के.बी. श्रीवास्तव और साहित्यक्ष जगमोहन श्रीवास्तव संघट्ट पर्यी



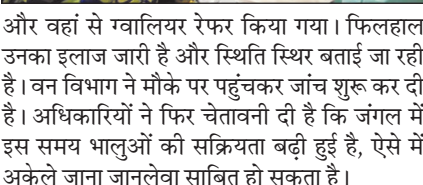
हैतैषी साबित होंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कपिल परिहार ने करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को भविष्य की सही दिशा मिलती है। इस अवसर पर चंद्रभाान श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, बसंती मिंज, ममता सिंह, विनीता कुशवाह, ममता यादव, राजेश मिश्रा, शैलेन्द्र भदौरिया, कनक कुशवाह, महेंद्र शर्मा, दलवीर सिंह, हितेंद्र कुशवाह, नीलेश रघुवंशी, नावेद अली, दीपिका चव्हेदी, बरकतम परिहार साबित बड़ी संख्या में छात्राएँ मौजूद रहीं।

छात्राओं ने मुख्य अतिथि तहसीलदार प्रदीप भार्गव से कैरियर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने बड़ी आत्मीयता से उनकी जिज्ञासाओं और प्रश्नों का समाधान किया।



नहीं सकी और पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के समय नगर परिषद पोहरी में फायर ब्रिगेड उपलब्ध न होने के कारण स्थानीय लोग खुद ही आग बुझाने में जुट गए, लेकिन आग की तीव्रता के आगे उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। बाद में शिवपुरी से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशकत

कोटा नाका गाँव निवासी बल्लभ सुबह करीब 5 बजे जंगल पहुँचे थे। उधर अंदाजा भी नहीं था कि झाड़ियों पर टूट पड़ेगा। अचानक हुए हमले तरह घायल कर दिया। चीख सुन ग्रामीण दौड़े और जान जोखिम में रह गए। ग्रामीणों की चिन्ता थी कि जान तो बच गई, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को पहले खरई स्वादा गया, फिर हालत बिगड़ने पर जिला



અધ્યક્ષ ગિરંજ શર્મા, યુવા ભાજપા નેતા પ્રશાંત રાઠૌર, શ્રીમતી ઉષા ભાર્ગવ, રાજકુમાર રાઠૌર, અમન મિશ્રા, ગૌરવ ગુપ્તા સહિત અન્ય कई ભાજપા નેતા એવં કાર્યકર્તા ઉપસ્થિત થે।

पष्ट किया कि जिले में उर्वरकों का वितरण केवल ई-विकास पोर्टल से ही किया जाएगा। किसी भी किसान परवाही या नियम उल्लंघन को दंडित किया जाएगा।

तावनी दी कि भविष्य में भी दोषी वाले विक्रेताओं पर और कड़ी कार्रवाई जाएगी। साथ ही किसानों से आई है कि वे उर्वरक खरीदते समय साध्थम से ही लेनदेन सुनिश्चित करें। अनियमितता की सूचना तुरंत दें।